INTERMEDIATE EXAMINATION – 2023 (ANNUAL)

Sub. Code – 108/208/308/504 **Model Set**

MAITHILI (मैथिली)

I.A., I.Sc., I.Com & Voc.

समयः 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक–100**

Time : 3 Hrs. 15 Minutes **Full Marks : 100**

कुल प्रश्नों की संख्या – 100 + 20 = 120

Total No. of Questions : 100 + 20 = 120

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
6. खण्ड–अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। 50 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 50 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गये OMR उत्तर–पत्रक में दिये गये सही विकल्प को काले/नीले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/तरल

पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर–पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।

7. खण्ड–ब में 20 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं ?

8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

खण्ड–अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 100 तक प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें कोई एक सही है। इन 100 प्रश्नों में किन्हीं 50 प्रश्नों के अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR उत्तर–पत्रक पर चिह्नित करें। – ***50x1=50***

नीचाँ लिखल वस्तुनिष्ठ प्रश्नमे सही उत्तर चुनू :–

1. 'सीमक लत्ती' रचना अछि

(A) उषाकिरण खानक (B) गोविन्द झाक

(C) भीमनाथ झाक (D) भाग्यनारायण झाक

2. 'जानकी–परिणय' क रचनाकार छथि

(A) भुवनेश्वर सिंह 'भुवन' (B) लालदास

(C) मंत्रेश्वर झा (D) सोमदेव

3. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क रचना अछि

(A) ललका पाग (B) ओवरलोड

(C) मैथिली साहित्यमे नचारी (D) बाबी

4. 'बाललीला' कविताक रचयिता छथि

(A) मनबोध (B) गौरीकान्त चौधरी 'कान्त'

(C) मार्कण्डेय प्रवासी (D) ललित

5. राजकमल चौधरीक रचना छनि

(A) टुटैत कीलक जाँत (B) सीमक लत्ती

(C) बाबी (D) ललका पाग

6. 'विद्यापति–वन्दना' रचना छनि

(A) गोविन्ददासक (B) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क

(C) आरसी प्रसाद सिंहक (D) मंत्रेश्वर झाक

7. ललितक रचना छनि

(A) बाबी (B) ओवरलोड

(C) रुना (D) अधोगति

8. प्रभास कुमार चौधरीक रचना छनि

(A) बाबी (B) सीमन्तनी

(C) ओवरलोड (D) हाथीक दाँत

9. 'मैथिली निबन्ध साहित्यक रूपरेखा' रचना छनि

(A) भाग्यनारायण झाक (B) भीमनाथ झाक

(C) मायानंद मिश्रक (D) ललितक

10. 'सोहर' कविताक रचनाकार छथि

(A) हर्षनाथ झा (B) राजकमल चौधरी

(C) लालदास (D) सोमदेव

11. मन्त्रेश्वर झाक रचना छनि

(A) मनुक्खक जीवन
(B) जानकी–परिणय
(C) शरद–संगीत
(D) उठह कृषक

12. 'चिनगी' कविताक रचयिता छथि

(A) लालदास
(B) मनबोध
(C) हर्षनाथ झा
(D) काञ्चीनाथ झा 'किरण'

13. 'बाढिक हकरोस' कविताक रचयिता छथि

(A) आरसी प्रसाद सिंह
(B) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'
(C) गोविन्द झा
(D) सोमदेव

14. भाग्यनारायण झाक रचना छनि

(A) डॉ0 सर सी0 वी0 रमण
(B) सीमक लत्ती
(C) मैथिली साहित्यमे नचारी
(D) हाथीक दाँत

15. 'वर्णरत्नाकर'क रचनाकार छथि

(A) विद्यापति
(A) ज्योतिरीश्वर
(B) गोविन्द झा
(D) राजकमल चौधरी

16. अबुल फजल लिखने छथि

(A) आइने अकबरी
(B) कादम्बरी
(C) धूर्त्त समागम
(D) ज्ञानेश्वरी टीका

17. 'जलाशय'क अर्थ अछि

(A) पोखरि
(B) जीव–जन्तु
(C) नदीक उद्गमस्थल
(D) जंगल

18. ‘पैजनिया’ क अर्थ अछि

(A) पनही (B) पैजामा

(C) पोआर (D) घुघरू

19. ‘विद्युल्लता’क अर्थ अछि

(A) बिहाड़ि (B) बिजलोका

(C) थाल–कादो (D) दुर्गम

20. ‘विनियोग’ शब्दक अर्थ अछि

(A) बँटवारा (B) सुविधा

(C) उदास (D) उचित काजमे लगाएब

21. ‘उषाहरण’क नाटककार छथि

(A) हर्षनाथ झा (B) मनबोध

(C) रवीन्द्रनाथ ठाकुर (D) अरविन्द ‘अक्कू’

22. बच्चाक जन्मक समय गाओल जाइत अछि

(A) समदाउनि (B) सोहर

(C) उचिती (D) डहकन

23. ‘कनक’ शब्दक अर्थ अछि

(A) मूँगा (B) मोती

(C) सोना (D) चानी

24. ‘परस’ शब्दक अर्थ अछि

(A) हरिण (B) स्पर्श

(C) मनुष्य (D) गुनीलोकनि

25. लालदास रचित नाटकक नाम अछि

(A) सावित्री–सत्यवान (B) पारिजातहरण

(C) उषाहरण (D) हथटुट्टा कुर्सी

26. 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण'क रचयिता छथि

(A) चन्दा झा (B) लालदास

(C) विद्यापति (D) गोविन्ददास

27. राजा दशरथ राजा छलाह

(A) अयोध्याक (B) जनकपुरक

(C) पांचालदेशक (D) विराटनगरक

28. 'अवाक्' शब्दक अर्थ अछि

(A) बाजब बंद भए जायब (B) हल्ला करब

(C) सुनैत देरि खिसियायब (D) तंग करब

29. चन्दा झाक गाम छलनि

(A) तरौनी (B) टेकटारि

(C) पिण्डारुच्छ (D) महिनाथपुर

30. 'खग–मृग' उदाहरण अछि

(A) द्वन्द्व समासक (B) द्विगु समासक

(C) तत्पुरुष समासक (D) कर्मधारय समासक

31. 'शतानन्द' शब्दक सन्धि–विच्छेद अछि

(A) शत् + आनन्द (B) शत + आनन्द

(C) शता + नन्द (D) शता + आनन्द

32. 'पीताम्बर' शब्द उदाहरण अछि

(A) बहुब्रीहि समासक (B) कर्मधारय समासक

(C) अव्ययीभाव समासक (D) द्विगु समासक

33. 'मिथिलेश' शब्दक सन्धि–विच्छेद अछि

(A) मिथि + लेश (B) मिथिला + ईश

(C) मिथि + ऐश (D) मिथिल + ऐश

34. 'गंगा गीतामृत' पोथी रचना छनि

(A) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क (B) हर्षनाथ झाक

(C) गोविन्ददासक (D) मनबोधक

35. 'मृत्तिका' शब्दक अर्थ अछि

(A) माटि (B) गोबड़

(C) मृत (D) जल

36. 'चीवर' शब्दक अर्थ होइछ

(A) मलिन वस्त्र (B) संन्यासीक वस्त्र

(C) नर्त्तकीक वस्त्र (D) धोती

37. आगिक छोट–छीन एक कुन्नीकेँ कहल जाइत अछि

(A) चिनगी (B) धधरा

(C) ताप (D) उमस

38. जकर क्षय नहि होइत अछि, कहल जाइछ

(A) अक्षय (B) क्षय

(C) नीड़ (D) प्रभुत्व

39. 'धधरा लाल .....

जे घरकैँ कऽ आलोकित'' – एतए रिक्त–स्थानमे होएत

(A) विशाल (B) छोट

(C) चारूकात (D) पदार्थ

40. 'अवज्ञा' शब्दक अर्थ अछि

(A) ओदशपालन नहि करब (B) बात मानि लेब

(C) जिद्द करब (D) ज्ञानहीन

41. भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'क कृति अछि

(A) आषाढ़ (B) प्रेरणापुंज

(C) अगस्त्यायनी (D) चन्द्रग्रहण

42. मार्कण्डेय प्रवासीक वृत्ति छलनि

(A) पत्रकारिता (B) अध्यापन

(C) प्रशासनिक सेवा (D) व्यवसाय

43. मंत्रेश्वर झाक कृति अछि

(A) आषाढ़ (B) किएक चुप अछि बसंती

(C) राधा विरह (D) कृष्णजन्म

44. ''घट–घट मे वासी ब्रह्म एक,

हो भान .... सँ अनेक।'' एतए रिक्त–स्थानमे होएत

(A) मद्य (B) विद्या

(C) अविद्या (D) भानु

45. 'ठठरी' शब्दक अर्थ अछि

(A) हिंसा (B) कंकाल

(C) भगल (D) इच्छा

46. प्रभास कुमार चौधरीकेँ साहित्य अकादेमी पुरस्कार भेटल छनि

(A) 'प्रभासक कथा' पर (B) 'हमरा लग रहब ?'पर

(C) 'नवारम्भ' पर (D) 'अभिशप्त' पर

47. 'झामर' शब्दक पर्यायवाची अछि

(A) श्याम वर्ण (B) उजरी गोराइ

(C) देखबामे भुट (D) नमहर

48. 'एकदंत' कहल जाइत छनि

(A) गणेशकेँ (B) शिवकेँ

(C) विष्णुकेँ (D) ब्रह्माकेँ

49. जानबाक इच्छा रखनिहारकेँ कहल जाइत अछि

(A) अदृश्य (B) जिज्ञासु

(C) प्रणम्य (D) परबस

50. मासु नहि खायवलाकेँ कहल जाइत अछि

(A) माँसाहारी (B) निरामिष

(C) वनवासी (D) शैव

51. 'आम' शब्दक पर्यायवाची अछि

(A) रसाल (B) रसभरी

(C) अमिय (D) पट

52. ‘व्यसन’ शब्दक अर्थ अछि

(A) आदत (B) वस्त्र

(C) पराजय (D) व्यंजन

53. ‘विपन्न’ कहल जाइत अछि

(A) विपत्तिग्रस्तकेँ (B) धनिककेँ

(C) राजाकेँ (D) विप्रकेँ

54. ‘अन्हार’ शब्दक विपरीतार्थक अछि

(A) इजोत (B) राति

(C) एकसर (D) परंपरा

55. ‘सुकर्म’ शब्दक विपरीतार्थक होइछ

(A) दुर्लभ (B) सुगंध

(C) कुकर्म (D) सनाथ

56. ‘दूत’ कहल जाइत अछि

(A) समदियाकेँ (B) भिखमंगाकेँ

(C) सारथीकेँ (D) विप्रकेँ

57. ‘लंक लेब’ मोहाबराक अर्थ अछि

(A) संगे चलब (B) भागि जायब

(C) हँसय लागब (D) छीनि लेब

58. ‘टाल मारब’ मोहाबराक अर्थ अछि

(A) बेसी तौलब (B) कम तौलब

(C) बिना तौलने दय देब (D) एहिमे किछु नहि

59. ‘घर दही तँ बाहरो दही’ लोकोक्तिक अर्थ होइछ

(A) अपना रहला पर आनो मानय (B) कियो ने पुछय

(C) दही खुआयब (D) हँसी उड़ाएब

60. ‘दूनू हाथ लड्डू’ लोकोक्तिक अर्थ अछि

(A) लाभे लाभ (B) सकुचायल रहब

(C) लड्डू खायब (D) एहिमे किछु नहि

61. ‘‘हाथ कंगन के आरसी की .... ’’ लोकोक्तिमे रिक्त–स्थानमे होएत

(A) नाच न जाने आँगन टेढ़ (B) पढ़ल–लिखल लेल फारसी की

(C) गुरु–गुड़ चेला चीनी (D) घरक भेदिया लंका डाह

62. माताक भायकेँ कहल जाइत छथि

(A) पित्ती (B) मामा

(C) मौसा (D) पीसा

63. पाठ्यांशमे ‘मिसेज खन्ना’ पात्र छथि

(A) ‘टुटैत कीलक जाँत’क (B) ‘ओवरलोड’क

(C) ‘अधोगति’क (D) ‘रुना’क

64. रागिनीक छोट बहिनक नाम छल

(A) सुलेखा (B) सुरेखा

(C) लाजवन्ती (D) पद्मा

65. दीनानाथक पत्नीक नाम छल

(A) शीला (B) वैदेही

(C) बिजुली (D) केतकी

66. 'प्रतिनिधि' कथा–संग्रह कृति छनि

(A) ललितक (B) राजकमल चौधरीक

(C) भाग्यनारायण झाक (D) गोविन्द झाक

67. लंदनक आत्मा कहल जाइत अछि

(A) पिकेडिली सर्कसकेँ (B) रीजेन्ट स्ट्रीटकेँ

(C) ट्रैफल्गर स्क्वायरकेँ (D) ऑक्सफोर्ड स्ट्रीटकेँ

68. क्रिसमस पर्व मनाओल जाइत अछि

(A) हिन्दू द्वारा (B) मुसलमान द्वारा

(C) सिख द्वारा (D) इसाइ द्वारा

69. 'विष्णु'क पर्यायवाची अछि

(A) चन्द्रशेखर (B) पीताम्बर

(C) गणपति (D) चन्द्रमा

70. 'चन्द्रमा'क पर्यायवाची होइछ

(A) सुधांशु (B) पूर्णिमा

(C) विभाष (D) विकल्प

71. माथक उपरका भागकेँ कहल जाइत अछि

(A) चानि (B) चानी

(C) कंठ (D) ललाट

72. 'परिणीता युवती'क अर्थ अछि

(A) विवाहित स्त्री (B) कुमारि कन्या

(C) विधवा स्त्री (D) एहिमे कोनो नहि

73. ‘आँखि’ शब्दक पर्यायवाची अछि

(A) कर्ण (B) श्याम

(C) चक्षु (D) केश

74. ‘तपस्या’ शब्दक समानार्थक अछि

(A) साधना (B) अंधकार

(C) प्रशंसा (D) लीन

75. ‘पढ़त’ शब्दमे प्रत्यय अछि

(A) अत (B) उत

(C) अय (D) अब

76. ‘कहइत’ शब्दमे प्रत्यय होइछ

(A) इत (B) ऐत

(C) अत (D) अल

77. ‘मेघ’ शब्दक विशेषण अछि

(A) करिछौन (B) मेघौन

(C) बचौन (D) नोनाह

78. ‘अकाज’ शब्दमे उपसर्ग अछि

(A) अ (B) अक

(C) अन (D) एहिमे किछु नहि

79. ‘निकम्मा’ शब्दमे उपसर्ग अछि

(A) कम (B) निक

(C) नि (D) ममा

80. 'अपमान' शब्दक विशेषण अछि

(A) अपमानित (B) अनुमानित

(C) आधारित (D) असक्त

81. 'आराधना' शब्दक विशेषण होइछ

(A) आराध्य (B) पूज्य

(C) आदिम (D) आश्रित

82. बहिनक बेटाकेँ कहल जाइत अछि

(A) भातिज (B) भागिन

(C) भैया (D) सरबेटा

83. माइक पेटसँ जनमल संतानकेँ कहल जाइत अछि

(A) सहोदर (B) बेमातर

(C) पितिऔत (D) ममिऔत

84. उत्पत्तिक आधार पर शब्दक भेद होइत अछि

(A) दू (B) तीन

(C) चारि (D) पाँच

85. 'अग्नि' शब्द अछि

(A) तत्सम (B) तद्भव

(C) देशज (D) विदेशज

86. 'लोटा' शब्द अछि

(A) देशज (B) विदेशज

(C) तत्सम (D) तद्भव

87. 'मुनीश' शब्दक संधि–विच्छेद अछि

(A) मुनि + ईश (B) मुनी + इश

(C) मुनः + इश (D) मनी + ईश

88. 'राजा + इन्द्र' शब्दक सन्धि अछि

(A) राजेन्द्र (B) राजिन्द्र

(C) राजान्द्र (D) एहिमे किछु नहि

89. 'क' वर्णक उच्चारण स्थान अछि

(A) कंठ (B) तालु

(C) मूर्द्धा (D) दंत

90. 'प' वर्णक उच्चारण स्थान होइछ

(A) ओष्ठ (B) तालु

(C) कंठ (D) दंत

91. 'चरणकमल' समासक उदाहरण अछि

(A) कर्मधारयक (B) तत्पुरुषक

(C) बहुब्रीहिक (D) द्विगुक

92. 'त्रिभुज' उदाहरण अछि

(A) बहुब्रीहिक (B) अव्ययीभावक

(C) द्वन्द्वक (D) कर्मधारयक

93. 'तिरू' कथाक पात्र छथि

(A) 'ललका पाग'क (B) 'बाबी'क

(C) 'हाथीक दाँत'क (D) 'टुटैत कीलक जाँत'क

94. ‘बहुआसिनी’ शब्दक अर्थ अछि

(A) घरक बेटी
(B) घरक पुतोहु
(C) खबासिनी
(D) एहिमे किछु नहि

95. ‘राधाकान्त’ पति छलाह

(A) रागिनीक
(B) तिरूक
(C) मिसेज खन्नाक
(D) सुरेखाक

96. ‘नचारी’गीतमे भगवानक नाम लेल जाइत अछि

(A) महादेवक
(B) गोसाउनिक
(C) दुर्गाक
(D) विष्णुक

97. ‘मैथिली साहित्यक इतिहास’ रचना छनि

(A) दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क
(B) बालमुकुन्द चौधरीक
(C) गंगानंद सिंहक
(D) अमरनाथ झाक

98. ‘हाथीक दाँत’ क पात्र अछि

(A) बिजली देवी
(B) राधाकान्त
(C) कामाख्या देवी
(D) झींगुरनाथ झा

99. ‘वैजयन्ती’ कविता–संग्रह छनि

(A) प्रबोध नारायण सिंहक
(B) आरसी प्रसाद सिंहक
(C) गोविन्द झाक
(D) मार्कण्डेय प्रवासीक

100. मनमोहन झाक रचना अछि

(A) बाबी
(B) रुना
(C) ओवरलोड
(D) अधोगति

<u>खण्ड – ब</u>

<u>विषयनिष्ठ प्रश्न</u>

निम्नलिखितमे कोनो पाँच लघु उत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू : **5x2=10**

1. ज्योतिरीश्वर 'वर्णरत्नाकर' कोन लिपिमे लिखल गेल अछि ?
2. कोन ऋतुमे छाया सोहनगर लगैत अछि ?
3. परमेश्वर झाक प्रसिद्ध पोथीक की नाम अछि ?
4. राजा चित्रवर्माक पुत्रीक नाम की छल ?
5. म0 म0 डॉ0 सर गंगानाथ झाक जन्मस्थान कतय छलनि ?
6. मिथिलाक पहिल ग्रेजुएट के भेलाह ?
7. कमलानाथ किनका कहल जाइत अछि ?
8. गोविन्ददास किनका अपन गुरु मानने छथि ?
9. कृष्णजन्मक अवसर पर नन्दबाबा कोन तरहेँ उत्साहित छलाह ?
10. धधरा घरकेँ की करैत अछि ?

निम्नलिखितमे कोनो तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू **3x5=15**

11. 'घट–घट मे वासी ब्रह्म एक' – पाँतीक की अभिप्राय थिक ?

22. 'नूतन स्वर' कवितामे कोन–कोन नूतन स्वरक समावेश अछि ?

13. मनुक्ख ककरासँ बढ़ि कय हिंसक अपराध करैत अछि ?

14. आन नारी–समाजक तुलनामे मैथिल ललनामे कोन भिन्नता परिलक्षित होइत अछि ?

15. जनता कथीक विरोधमे नारा लगबैत अछि ?

16. मिथिलामे अधोगति होएबाक की कारण छल ?

17. निम्नलिखितमे कोनो **एक** विषय पर निबन्ध लिखू ***1x8=8***

क. गाँधी जयन्ती

ख. भातृद्वितीया (भरदुतिया)

ग. जल प्रदूषण

घ. शरद ऋतु

ङ. ग्रामीण मेला

18. निम्नलिखितमे कोनो **दूटाक** सप्रसंग व्याख्या करू : ***2x4=8***

क. पहिलैँ तँ ई विषय सभ बहुत गोप्य राखल गेल जे अन्तःपुरमे ककरहु वार्ता नहि होअय, परन्तु प्रसिद्ध अछि जे' 'षटकर्णो भिद्यते मन्त्रः' अर्थात् जे बात छओ कानमे पड़य से कहिओ झाँपल नहि रहि सकय। अन्ततोगत्वा ई सभ कानाकानी होइत रनिवास तक पहुँचल। कथा सुनितहि मात्र हाहाकारपूर्वक महान आक्रन्द होबय लागल।

ख. अथ वसन्तवर्णना। वृक्षक नूतनता. पल्लवक उद्गम. कुमुदक सम्भार. मलयानिलक वेग. कोकिलाक कलरव. भ्रमरक झङ्कार. कन्दर्पक प्रभाव. विरहिनीक उत्कण्ठा.।

ग. अगणित दसरथ बरियात लयला।

यतहु वृत्त सरियालत।।

स्वगत परिछि गेला जनवास।

डेरा पड़ल सुखद आवास।।

घ. जे उभय कुल तारि, निज लीला बले, तारिणी कहाबथि।

भ्रमित जन छी, आबि से, पथ विमल भयहारिणी देखाबथि।।

19. खेल प्रतियोगितामे चयनित भेलपर पिताकेँ पत्र लिखू। **1x5=15**

अथवा

छोट बहिनक विवाहमे सम्मिलित होएबा लेल प्रधानाचार्यसँ अवकाशार्थ आवेदन लिखू।

20. संक्षेपण करू : **1x4=4**

मैथिली साहित्य मे शिवभक्तिमूलक पद–रचनाक सुदीर्घ परम्परा रहल अछि। मिथिला मे एहन प्रायः कोनो गाम नहि होयत जतय एकटा ने एकटा शिव मन्दिर नहि हो ओ जकर प्रांगण शिव–भजनक श्रद्धा श्लथ स्वर–लहरी सँ मुखरित नहि भेल हो। शिव–भक्तिक अत्यधिक प्रचलनक कारणें एहि जन–पदक विकसित साहित्यमे – संस्कृत ओ मैथिली दुहूमे शिव–भक्तिक विषय लऽ अनेकानेक ग्रन्थ रचित भेल अछि।

अथवा

हमरालोकनि श्री दुर्गासप्तशती मे पढ़ैत छी जे महिषासुरक अत्याचारसँ पीड़ित देवतालोकनि अपन एकताक प्रतीक आदिशक्ति दुर्गाक आह्वान कयलनि। आइ जखन हमरालोकनिक स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखण्डता तथा जीवन–यापन पद्धतिपर संकट उपस्थित अछि तखन हमरालोकनिक हेतु ई आवश्यक अछि जे हमरा लोकनि राष्ट्रीय एकताक रूपमे आत्मशक्तिक प्रतिष्ठापना एवं संवर्द्धना करी। तखने हमरालोकनि– 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः'क अपन सनातन लक्ष्योक पूर्ति कऽ सकैत छी।

XXX